खबरें एक नजर

धान नर्सरी को सफेद,पीला होने से बचाएं किसान

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने ÷धान नर्सरी को सफेद/ पीला होने से बचाए किसान÷ नामक एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि जनपद में कृषकों की प्रक्षेत्र पर धान नर्सरी सफेद या पीली हो रही है।जिससे कृषकों की धान की नर्सरी की गुणवत्ता खराब हो रही है। डॉक्टर खान ने बताया है कि अधिक गर्मी के कारण धान की नर्सरी में पीलापन या सफेद पौधा हो रहा है उन्होंने कृषकों को सलाह दी है कि यदि उनकी धान की नर्सरी सफेद या पीली हो रही है तो नर्सरी में 0.5त्न फेरस सल्फेट एवं 0.25 प्रतिशत चूना का गोल मिलाकर अभिलंब छिड़काव कर दें।उन्होंने किसानों को से कहा है कि छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें की हवा न बह रही हो। साथ ही समय-समय पर सिंचाई भी करते रहे।डॉक्टर खान ने सुझाव देते हुए बताया है कि अधिक गर्मी के दृष्टिगत शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दे। इससे धान नर्सरी को फायदा होगा। भीषण गर्मी को देखते हुए खेत में नमी बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि धान नर्सरी सूखने न पाए।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 29 जून • 2024

'धान नर्सरी को सफेद व ीला होने से बचाएं किसान'

हारा न्यूज ब्यूरो
ुर।

खर आजाद कृषि एवं ोकी विश्वविद्यालय के कृषि केंद्र दिलीप नगर के मृदा क डॉक्टर खलील खान ने र्सरी को सफेद व पीला होने ाने को किसानों के लिये ह्जरी जारी की है।

न्होंने वताया कि जनपद में ं की प्रक्षेत्र पर धान नर्सरी या पीली हो रही है, जिससे ं की धान की नर्सरी की ा खराव हो रही है। अधिक क कारण धान की नर्सरी में न या सफेद पौधा हो रहा है।

कृषकों को सलाह दी है कि यदि धान की नर्सरी सफेद या पीली हो तो नर्सरी में 0.5 प्रतिशत फेरस ट एवं 0.25 प्रतिशत चूना का घोल कर अविलंव छिड़काव कर दें। किसानों को से कहा है कि छिड़काव समय इस वात का विशेष ध्यान रखें ा न वह रही हो। साथ ही समयसमय चाई भी करते रहें। डॉक्टर खान ने देते हुए वताया है कि अधिक गर्मी के

धान की नर्सरी दिखाता किसान। फोटो : एसएनवी

सीएसए विवि के कृषि वैज्ञानिक ने किसानों के लिये जारी की एडवाइजरी

दृष्टिगत शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुवह निकाल दें। इससे धान नर्सरी को फायदा होगा। भीषण गर्मी को देखते हुए खेत में नमी वनाए रखने की आवश्यकता है ताकि धान नर्सरी सूखने न पाए।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 06 अंक : 224 देहरादून, रविवार, 30 जून 2024 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

निकरा परियोजना अंतर्गत ऊसर धान की तकनीकी खेती पर हुआ विशेष प्रशिक्षण

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर निकरा परियोजना अंतर्गत चयनित गांव औरंगाबाद के कृषकों को ऊसर सहनशील धान की प्रजातियों की तकनीकी खेती पर प्रशिक्षण दिया गया।

मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को बताया कि ऊसर भूमियों में पीएच मान 8 से 9 के मध्य होता है। उन भूमियों में धान की ऊसर सहन शील प्रजाति सी एस आर 46 सर्वोत्तम है। उन्होंने कृषकों को सलाह देते हुए बताया कि ऊसर भूमियों में 15 टन सड़ी हुई गोबर की खाद अवश्य मिला देना चाहिए। इन भूमियों में धान की नर्सरी 30 से 35 दिनों की पौध रोपण हेतु सर्वोत्तम रहती है उन्होंने कृषकों को सलाह दी है कि उर्वरकों की संस्तुति मात्रा के साथ ही 30 किलोग्राम जिंक सल्फेट का प्रयोग भी लाभकारी होता है। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में बेर, बेल एवं आंवला आदि की खेती के सुझाव दिए। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में गौरव शुक्ला, शुभम यादव एवं श्री भगवान पाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में प्रगतिशील संतराम,गोविंद, रघुवीर, राजेश सहित से 30 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

राहुल गांधी बोले, नीट पर चर्चा करवाएं... 12 | भाजपा विधायक को अमेरिका के विधान शिखर... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 15 | अंकः 255
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
शनिवार | 29 जून, 2024

0.5 फीसदी फेरस सल्फेट एवं 0.25 प्रतिशत चूने के घोल को छिड़क कर धान को बचाएं

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देश क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने शुक्रवार को धान नर्सरी को सफेद /पीला होने से बचाए किसान नामक एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि जनपद में किसानो की प्रक्षेत्र पर धान नर्सरी सफेद या पीली हो रही है

जिससे किसानो की धान की नर्सरी की गुणवत्ता खराब हो रही है। डॉ. खान ने बताया है कि अधिक गर्मी के कारण धान की नर्सरी में पीलापन या सफेद पौधा हो रहा है तो नर्सरी में 0.5 फीसदी फेरस सल्फेट एवं 0.25 प्रतिशत चूना का घोल मिलाकर अभिलंब छिड़काव कर दें।उन्होंने किसानों को छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखने को कहा की हवा न बह रही हो। साथ ही समय-समय पर सिंचाई भी करते रहे। उन्होंने बताया है कि अधिक गर्मी को शाम को खेत में पानी लगाकर सुबह निकाल देने से धान की नर्सरी को फायदा होगा।

राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण
नगर संस्करण

की खेती का प्रशिक्षण प्राप्त करते किसान। फोटो : एसएनबी

सानों को ऊसर धान की की खेती का दिया प्रशिक्षण

सएनबी)। चंद्रशेखर
पे एवं प्रौद्योगिकी
कानपुर के अधीन
विज्ञान केंद्र दलीपनगर
ोजना अंतर्गत चयनित
के किसानों को ऊसर
न की प्रजातियों की
पर प्रशिक्षण दिया गया।
निक डॉ. खलील खान
ो वताया कि ऊसर
मान 8 से 9 के मध्य
मियों में धान की ऊसर
ति सी एस आर 46

निकरा परियोजना के तहत आयोजित हुआ कार्यक्रम

किसानों को सलाह दी है कि उर्वरकों की संस्तुति मात्रा के साथ ही 30 किलोग्राम जिंक सल्फेट का प्रयोग भी लाभकारी होता है।

इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में वेर, वेल एवं आंवला आदि की खेती के सुझाव दिए। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने पशुओं में

धान नर्सरी को सफेद व पीला होने से बचाएं किसान

कानपुर, 28 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने धान नर्सरी को सफेद/पीला होने से बचाए। साथ ही किसान के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि जनपद में कृषकों की प्रक्षेत्र पर धान नर्सरी सफेद या पीली हो रही है। जिससे कृषकों की धान की नर्सरी की गुणवत्ता खराब हो रही है। डॉक्टर खान ने बताया है कि अधिक गर्मी के कारण धान की नर्सरी में पीलापन या सफेद पौधा हो रहा है। उन्होंने कृषकों को सलाह दी है कि यदि उनकी धान की नर्सरी सफेद या पीली हो रही है तो नर्सरी में 0.5 प्र तिशत फेरस सल्फेट एवं 0.25 प्रतिशत चूना का गोल मिलाकर अभिलंब छिड़काव कर दें।उ न्होंने किसानों को से कहा है कि छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें की हवा न बह रही हो। साथ ही समय-समय पर सिंचाई भी करते रहे।डॉक्टर खान ने सुझाव देते हुए बताया है कि अधिक गर्मी के दृष्टिगत शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दे। इससे धान नर्सरी को फायदा होगा।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. T_24-25_Paint_ICF_LHB दिनांकः 26.06.2024

निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, कोच एम.एल.आर. कारखाना, झाँसी, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरणः सी.एम.एल.आर. कारखाना झाँसी में पीओएच/एसएस-2/एसएस-3 शेडयूल के दौरान Supply & Apply के आधार पर ICF & LHB के कोचों पर पेटिंग का कार्य।

मात्राः एक कार्य, **निविदा मूल्यः** ₹ 2,72,46,221.88/- (रूपये दो करोड़ बहत्तर लाख छियालिस हजार दो सौ इक्कीस एवं अठासी पैसे मात्र), **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 12 माह, **बयाना राशिः** ₹ 286200/-, **निविदा प्रपत्र मूल्यः** 0/-

नोटः 1. निविदा दिनांक **31.07.2024** को **15.00** बजे बंद होगी एवं भारतीय रेलवे की ई-टेण्डर वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। 2. निविदा की संपूर्ण जानकारी के लिये भारतीय रेलवे की ई-टेण्डर वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। 3. ठेकेदार टेण्डर प्रपत्र को डाउनलोड करने के लिये एवं टेण्डर सूचना संबंधी किसी भी प्रकार के संशोधन/परिशिष्ट (यदि कोई है) हेतु भारतीय रेलवे की ई-टेण्डरिंग की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखते रहें। इस संबंध में कोई सूचना नहीं दी जायेगी और ना ही किसी भी प्रकार का पत्राचार किया जायेगा। **1116/24 FA**

North central railways @CPRONCR @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2024/529 दिनांकः 25.06.2024

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

दैनिक जागरण कानपुर 29/06/2024

धान की नर्सरी पर पड़ रहा गर्मी का असर

जासं, कानपुर : वर्षा की कमी और मानसून आने में हुई देरी ने किसानों की धान नर्सरी खराब हो गई। धान नर्सरी में पत्तियां सूखकर सफेद और पीली हो रही हैं। मानसून की आहट से किसानों को नर्सरी बचने की उम्मीद बढ़ी है लेकिन, कृषि विज्ञानियों के अनुसार सूख रही नर्सरी को बचाने के लिए दवा का छिड़काव किया जाना चाहिए।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञानी डा. खलील खान ने बताया कि धान नर्सरी में पौधों के सफेद और पीले पड़ने की शिकायत मिल रही है। किसानों ने विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्रों पर पहुंचकर अपनी परेशानी बताई है। विश्वविद्यालय कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के विज्ञानियों को निर्देश दिया है कि धान की नर्सरी में सफेद और पीले हो रहे पौधों को बचाने के लिए किसानों को जागरूक किया जाए। इसके तहत किसानों को बताया जा रहा है कि अधिक गर्मी के कारण धान की नर्सरी खराब हो रही है तो 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट एवं 0.25 प्रतिशत चूना का घोल मिलाकर नर्सरी पर तुरंत छिड़काव करें। छिड़काव में ध्यान रखें कि हवा न चल रही हो। अगर शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दें। इससे धान की नर्सरी सूखने से बच जाएगी।

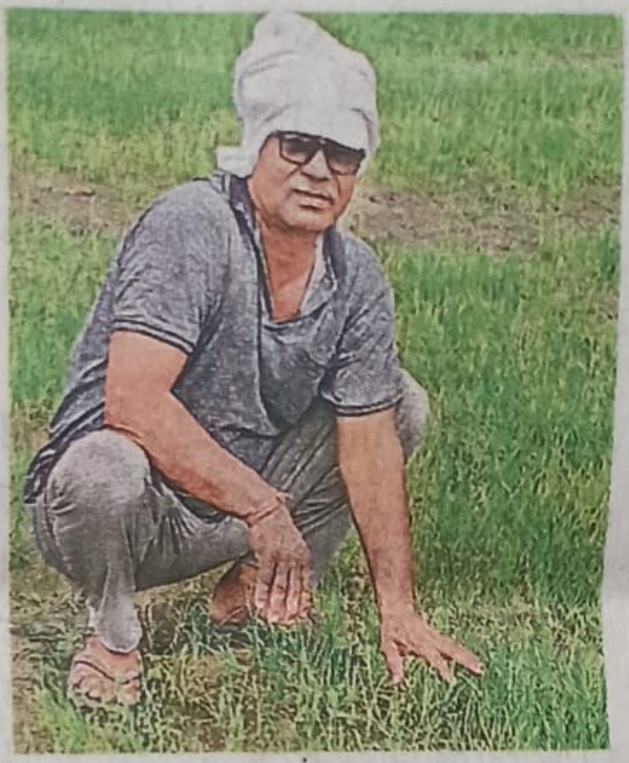

खेत में सूख रही धान नर्सरी को देखकर परेशान किसान ● सीएसए

अमर भारती
स्करण
एक उम्मीद
य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com रविवार, 30 जून 2024 शक सम्वत

ऊसर धान की तकनीकी खेती पर विशेष प्रशिक्षण

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर निकरा परियोजना अंतर्गत चयनित गांव औरंगाबाद के कृषकों को ऊसर सहनशील धान की प्रजातियों की तकनीकी खेती पर प्रशिक्षण दिया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को बताया कि ऊसर भूमियों में पीएच मान 8 से 9 के मध्य होता है। उन भूमियों में धान की ऊसर सहन शील प्रजाति सी एस आर 46 सर्वोत्तम है। उन्होंने कृषकों को सलाह देते हुए बताया कि ऊसर भूमियों में 15 टन सड़ी हुई गोबर की खाद अवश्य मिला देना चाहिए। इन भूमियों में धान की नर्सरी 30 से 35 दिनों की पौध रोपण हेतु सर्वोत्तम रहती है उन्होंने कृषकों को सलाह दी है कि उर्वरकों की संस्तुति मात्रा के साथ ही 30 किलोग्राम जिंक सल्फेट का प्रयोग भी लाभकारी होता है। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में बेर, बेल एवं आंवला आदि की खेती के सुझाव दिए। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में गौरव शुक्ला, शुभम यादव एवं भगवान पाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में प्रगतिशील संतराम,गोविंद, रघुवीर, राजेश सहित से 30 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

1/8
दैनिक
email: shahardayaranews@gmail.com
शहर दायरा न्यूज
हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय
https://www.facebook.com/shahardayaranews/
वर्ष 9 अंक: 308 कानपुर, शनिवार 29 जून 2024 पृष्ठ: 8 मूल्य-2.00 ₹

धान नर्सरी को सफेद, पीला होने से बचाएं किसान

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील ने धान नर्सरी को सफेद/ पीला होने से बचाए किसान नामक एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि जनपद में कृषकों की प्रक्षेत्र पर धान नर्सरी सफेद या पीली हो रही है।जिससे कृषकों की धान की नर्सरी की गुणवत्ता खराब हो रही है डॉक्टर खान ने बताया है कि अधिक गर्मी के कारण धान की नर्सरी में पीलापन या सफेद पौधा हो रहा है उन्होंने कृषकों को सलाह दी है कि यदि उनकी धान की नर्सरी सफेद या पीली हो रही है तो नर्सरी में 0.5ब्र फेरस सल्फेट एवं 0.25 प्रतिशत चूना का गोल मिलाकर अभिलंब छिड़काव कर दें उन्होंने किसानों को से कहा है कि छिड़काव करते

समय इस बात का विशेष ध्यान रखें की हवा न बह रही हो साथ ही समय-समय पर सिंचाई भी करते रहे।डॉक्टर खान ने सुझाव देते हुए बताया है कि अधिक गर्मी के दृष्टिगत शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दे इससे धान नर्सरी को फायदा होगा भीषण गर्मी को देखते हुए खेत में नमी बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि धान नर्सरी सूखने न पाए

रहस्य सन्देश 29.06.2024 कानपुर/ शाहजहांपुर/ उन्नाव

निकरा परियोजना अंतर्गत ऊसर धान की तकनीकी खेती पर हुआ विशेष प्रशिक्षण

संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर निकरा परियोजना अंतर्गत चयनित गांव औरंगाबाद के कृषकों को ऊसर सहनशील धान की प्रजातियों की तकनीकी खेती पर प्रशिक्षण दिया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कृषकों को बताया कि ऊसर भूमियों में पीएच मान 8 से 9 के मध्य होता है। उन भूमियों में धान की ऊसर सहन शील प्रजाति सी एस आर 46

सर्वोत्तम है। उन्होंने कृषकों को सलाह देते हुए बताया कि ऊसर भूमियों में 15 टन सड़ी हुई गोबर की खाद अवश्य मिला देना चाहिए। इन भूमियों में धान की नर्सरी 30 से 35 दिनों की पौध रोपण हेतु सर्वोत्तम रहती है उन्होंने कृषकों को सलाह दी है कि उर्वरकों की संस्तुति मात्रा के साथ ही 30 किलोग्राम जिंक सल्फेट का प्रयोग भी लाभकारी होता है। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने ऊसर भूमियों में बेर, बेल एवं आंवला आदि की खेती के सुझाव दिए। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने पशुओं में होने वाली संक्रामक बीमारियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में गौरव शुक्ला, शुभम यादव एवं श्री भगवान पाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में प्रगतिशील संतराम,गोविंद, रघुवीर, राजेश सहित से 30 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।